Graduate Teachers, Primary Teachers to Headmasters and Trained Graduate Teachers to Post Graduate Teachers for the year 1997-98. The meeting of Departmental Promotion Committee to fill up the unfilled vacancies of Vice-Principals is being convened. The vacancies in the promotion quota of Principals could not be filled up due to non-availability of eligible Scheduled Caste/Scheduled Tribe candidates in the grade of Vice-Principals.

शैक्षिक प्रणाली में परिवर्तनों की आवश्यकता

372. **श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्लः** क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली व्यापक स्तर पर असफल पायी गयी है और शिक्षा के मूल उद्देश्यों को अंततः पूरा नहीं किया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या इसका कोई राष्ट्रव्यापी व्यापक सर्वेक्षण कराया गया है;

(ग) क्या वर्तमान शिक्षा प्रणाली में तत्काल आमूल चूल परिवर्तन करने की आवश्यकता है; और

(घ) क्या सरकार एक सुनियोजित शिक्षा प्रणाली बनाने पर गंभीरतापूर्वक विचार कर रही है ताकि भावी पीढ़ी के लिए शिक्षा बहु आयामी उपयोगित वाली सिद्ध हो सके?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में शिक्षा विभाग में राज्य मंत्री (श्री मुही राम सैकिया): (क) जी, नहीं।

(ख) से (घ) मौजूदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 की 1990—92 के दौरान आचार्य राम मूर्ति की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति संबंधी पुनरीक्षा समिति (एन०पी०ई०आर०सी०) द्वारा तथा श्री एन० जनार्दन रेड्डी की अध्यक्षता वाली केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (केव) समिति द्वारा समीक्षा की गई। इन समितियों द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसरण में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 तथा इसकी कार्य योजना 1992 को अद्यतन किया गया तथा 1992 में ही इसे अपनाया गया। फिलहाल कार्यान्वयन पर तथा शिक्षा के लिए संसाधनों में वृद्धि करने पर बल दिया जा रहा है ताकि पूरे देश मे शिक्षा के सभी स्तरों पर पहुंच, पढ़ाई में बने रहने तथा इसकी गुणवत्ता में बेहतर सहलग्नता हो।

Efforts to make Education Job-Oriented

373. SHRI NARENDRA MOHAN: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether in the fast changing scenario in the industrial development, the adeuacy of present education system has been studied and efforts made to link industry with education;

(b) if so, whether partnership between industries and educational institutions can make education more job-oriented; and

(c) whether the content and from of training the teaching faculty is well equipped to meet the challenges ahead?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) to (c) The National Policy on Education (NPE), 1986 and the Programme of Action (POA), 1992 lay considerable stress on linkages of education with industry as part of vocationalisation of education in order to reduce the mismatch between demand and supply of skilled manpower. Department of Voctional Education (DVE) under National Council of Educational Research and Taining (NCERT) has taken the responsiblity for training of teachers of Vocational Education. Pt. Sunderlal Sharma Central Institute of Vocational Education. (PSSCIVE) has been set up at Bhopal under the Umbrella of NCERT in 1993. This institute acts as an apex level of Research and Development Organisation in the field of vocational education and has also been entrusted with the responsiblity of conducting training for teachers and resource persons in this regard. There is also an interface with industry in the Shramik Vidyapeeths as well as in institutions of higher and management education concerned with voctaional courses.